AGRICULTURE UNIVERSITY, JODHPUR
JODHPUR 342304, Rajasthan, India
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
जोधपुर ३४२३०४, राजस्थान, भारत

Telefax
0291 2570710(O)
0291-2570711
E-mail:
vcunivag@gmail.com

डॉ एम एल मेहरिया
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

दिनांक – 27.03.2019

डॉ. बलराज सिंह, कुलपति कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर का सफलतम कार्यकाल पूर्ण होने पर विदाई सम्मारोह का आयोजन

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के प्रथम पूर्णकालिक कुलपति डॉ. बलराज सिंह तीन वर्ष का सफलतम कार्यकाल पूरा होने के उपरांत दिनांक 25/03/2019 को कार्यमुक्त हुए। इस दौरान विश्वविद्यालय के सभागार में उनकी अतुलनीय सेवाओं के सम्मान पूर्वक शानदार विदाई समारोह का आयोजन किया गया। डॉ. सिंह के विद्यार्थियों व समस्त विद्यार्थी व कर्मचारीयों के मध्य अतिलोकप्रिय होने की वजह से इस दौरान समस्त विद्यार्थी व कर्मचारी उपस्थित थे। डॉ. सिंह के पास दो विश्वविद्यालयों का अतिरिक्त प्रभार भी था जिनमें श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर व आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय जोधपुर शामिल है। उन्होनें विश्वविद्यालय की शुरूआती प्रगति व उन्नति के लिये विभिन्न कृषि उत्पादों के उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देने, विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने और कृषि प्रसार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। उन्होंने अपने तीन वर्ष के कार्यकाल में तीन कृषि महाविद्यालय व तीन कृषि विज्ञान केन्द्रों के भवन तथा विश्वविद्यालय भी अधिकतर भूमि के चारदिवारी के निर्माण को सम्पन्न कराया। इसके अतिरिक्त उन्होंने शैक्षणिक व अशैक्षणिक वर्ग के कर्मचारियों की भर्ती करके विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा, इसके अतिरिक्त उन्होनें अनुसंधान व प्रसार के कार्य की प्रगति में अमूल्य योगदान किया। उनके कार्यकाल के दौरान विश्वविद्यालय विभिन्न शोध एवं शैक्षिक परियोजनाओं हेतु करोड़ों रूपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई, जिससे विश्वविद्यालय में इस क्षेत्र में नये आयाम स्थापित किये हैं। इनके कार्यकाल के दौरान कई वैज्ञानिकों को अन्तर्राष्ट्रीय सेमीनार एवं प्रशिक्षण में विदेशों में भागीदारी की। विदाई समारोह में विद्यार्थियों व समस्त कर्मचारियों ने अपने विचार व्यक्त किये व विद्यार्थियों की तरफ से कार्यक्रम में उनके सम्मान में डॉ. बलराज सिंह किसानों के बीच भी काफी लोकप्रिय थे तथा उनके विदाई समारोह के दौरान काफी किसान भी उपस्थित हुए व उन्हे स्मृति चिन्ह भेंट किया।

डॉ एम एल मेहरिया